छत्तीसगढ़ मलिेट मशिन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा** राज्य के वनांचल में उगाई जाने वाली **कोदो-कुटकी** और **रागी** फसल को प्रोत्साहन देने के लयि **मलिेट मशिन** की शुरुआत की गई है।

प्रमुख बदिु

- इस मशिन से वनांचल में लोगों के पोषण स्तर पर वृद्धि होगी। वहीं इन फसलों के वैल्यु एडशिन से रोज़गार भी मलिेगा तथा कसिानों की आर्थकि स्थति भी सुधरेगी।
- मुख्यमंत्री की वशिेष पहल पर कोदो-कुटकी के लयि जहाँ समर्थन मूल्य घोषति कयिा गया है, वहीं **'राजीव गांधी कसिान न्याय योजना'** में इन फसलों को शामलि कर इनके लयि इनपुट सब्सडिी देने का भी प्रावधान कयिा गया है।
- लघु धान्य फसलों में पाए जाने वाले भरपूर पोषक तत्त्वों को ध्यान में रखते हुए उत्तर बस्तर (कांकेर) ज़लि में ज़लिा प्रशासन और कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ज़लि के कसिानों को मलिेट मशिन के तहत उन्नत खेती के लयि जानकारी दी जा रही है।
- **कोदो-कुटकी** के उत्पादन और संग्रहण के लयि कसिान वकिास समति का गठन कयिा गया है, जसिमें 300 परविार जुड़े हैं।
- लघु धान्य फसलों के वैल्यु एडशिन के लयि कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर और दुर्गुकोंदल वकिासखंड के ग्राम गोटुलमुंडा में प्रसंस्करण इकाई लगाई गई है। इन दोनों इकाईयों में एक-एक महलिा समूहों द्वारा प्रसंस्करण का कार्य कयिा जा रहा है।
- संग्रहण एवं प्रसंस्करण कार्य में लगी स्व-सहायता समूह की महलिाओं को 850 से अधकि मानव दविस का रोज़गार उपलब्ध कराया गया है। ज़लिा प्रशासन की पहल पर लघु धान्य फसलों का उत्पादन करने वाले कसिानों और महलिा समूहों को इस प्रसंस्करण केंद्र से जोड़ा गया है।
- इस केंद्र में तैयार कयि गए उत्पाद आंगनबाड़ियों के माध्यम से कुपोषति, रक्ताल्पता से ग्रसति व गर्भवती माताओं तथा कुपोषति बच्चों को कोदो चावल खचिड़ी के रूप में एवं रागी को हलवा के रूप में प्रदान कयिा जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कोदो-कुटकी का समर्थन मूल्य न केवल 3 हज़ार रुपए प्रति क्विंटल घोषति कयिा है, बल्कि राजीव गांधी कसिान न्याय योजना का वसि्तार करते हुए अब कोदो-कुटकी की फसल लेने वाले कसिानों को प्रति एकड़ 9 हज़ार रुपए और धान के बदले कोदो-कुटकी की फसल लेने वाले कसिानों को 10 हज़ार रुपए प्रति एकड़ इनपुट सब्सडिी देने का प्रावधान कयिा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-millet-mission